

श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय आजमगढ़
में 19/09/2026 को निम्न वाक्य

नाटक के माध्यम से मानवीय मूल्यों को संवेदना

दिया गया। नाट्यक डॉक्टर नहीं बनाता,

फर्नीचर नहीं बनाता, खाना नहीं बनाता।

नाट्यक मनुष्य बनाता है।" इसी संवेदना को

केन्द्र में रखते हुए कोलकाता निवासी

रमक मणि फुलेन्द्र पांडेय द्वारा लिखित नाटक

अभिनीत नाटक रंगमंच पर प्रस्तुत

महाविद्यालय प्रांगण में की गई।

उनकी यह रंगयात्रा विशेष रूप से युवाओं

और छात्राओं के लिए प्रेरणादायक रही।

उनका मानना है कि रंगमंच व्यापक

व्यक्तित्व, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास

और सामाजिक समस्य को विकसित करने

का सशक्त माध्यम है।

नाटक के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं

सामाजिक मूल्यों, आत्मचरित्र तथा व्यक्तित्व

के भीतर विषी मानवीयता को प्रभावशाली

रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

Dr. Anurag
Sopra

19/09/2026

प्राचार्या
श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय
आजमगढ़



श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़
संस्थागत नवाचार परिषद द्वारा आयोजित

एकल नाट्य कार्यक्रम
का आयोजन

प्राचार्य
प्रो. निशा कुमारी

प्रबन्धक
श्री सुधीर अग्रवाल



सूचना

आप सभी शिक्षकगण से सादर अनुरोध है कि दिनांक 23/09/2026 को 1:30 बजे महाविद्यालय सभागार में संस्मृगत नवाचार पारिषद के तत्वाधान में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है। अतः आप सभी शिक्षकगण ससमय सभागार में आने का कष्ट करें।
 एवं यह सूचना अपनी-2 कक्षा की छात्राओं को भी प्रेषित करने की कृपा करें।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]
21/09/2026

प्राचार्या
 अग्रसेन महिला महाविद्यालय
 आजमगढ़

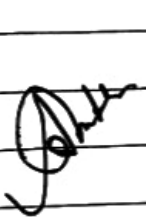
प्रिन्सिपल

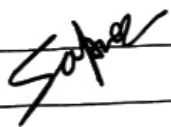
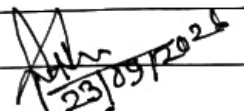
23/09/2026

श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़ की संस्थागत नवाचार पारिषद के लूवाधान में छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 23/09/2024 को किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को अपनी सचि, योग्यता और कौशल के अनुसार करियर चुनने तथा उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य वक्ता ने बताया कि करियर का चुनाव करते समय केवल प्रचलित विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी क्षमताओं को पहचानना और लक्ष्य के अनुसार तैयारी करना आवश्यक है। छात्राओं को उच्च शिक्षा, कौशल विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार की संभावनाओं पर भी भागदशान दिया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रा. निशा कुमारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं को अविवेक के बारे में सोच समझकर निर्णय लेने में सहायता करते हैं। कार्यक्रम के अन्त में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं का और मार्गदर्शन प्राप्त किया।



प्राचार्या

श्री अग्रसेन महिला महाविद्यालय
आजमगढ़



